हिन्दुस्तान

पांच साल में 63 लाख रोगियों को मिला इलाज

एम्स ऋषिकेश

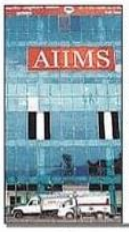

भर्ती मरीजों का भी बढ़ा ग्राफ, अब तक 4 लाख 77 हजार हुई आईपीडी की संख्या

36 से अधिक विभागों की ओपीडी हो रही संचालित

चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री ने कहा कि ओपीडी सेवाओं के माध्यम से हम राज्य में सबसे अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। मौजूदा समय में संस्थान में दैनिक तौर पर 36 से अधिक विभागों की ओपीडी संचालित हो रही है। इनमें जनरल ओपीडी के अलावा विभिन्न विभागों की सुपरस्पेशिलिटी ओपीडी सेवाएं भी शामिल हैं। अस्पताल प्रशासन कई विभागों के आफ्टरनून क्लीनिक भी संचालित कर रहा है। इन सुविधाओं से प्रतिदिन हजारों रोगी स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में ओपीडी की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। वर्ष 2025-26 में एम्स में 7 लाख 89 हजार रोगी ओपीडी में देखे गए हैं। जबकि अस्पताल के संचालन से अब तक ओपीडी में पंजीकृत कुल रोगियों की यह संख्या 63 लाख पहुंच चुकी है।

एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से एम्स ऋषिकेश एक मानक संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहिचान बना चुका है। रोगी का भरोसा और उम्मीद हमारे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। ओपीडी सेवाओं का उद्देश्य रोगियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। संस्थान की तकनीक आधारित टेलिमेडिसिन सेवा भी संचालित की जा रही है। इससे दैनिक तौर पर दूर-दराज के हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। वर्ष 2013 में मैनुअली रजिस्टर में रोगी का नाम अंकित करने की व्यवस्था से शुरू हुआ एम्स ऋषिकेश की ओपीडी सेवाओं का सफर वर्तमान में ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेने की तकनीक आधारित प्रक्रिया तक पंहुच चुका है।

उन्होंने यह भी बताया कि 31 मार्च 2026 तक एम्स ऋषिकेश में 63 लाख 13 हजार 955 लोग स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा चुके हैं, जबकि आईपीडी (भर्ती मरीजों) की संख्या का यह आंकड़ा 4 लाख 77 हजार 432 तक पहुंच गया है। इनमें न केवल उत्तराखंड बल्कि हिमाचल, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, बिहार और नेपाल तक के रोगी भी शामिल हैं। दैनिक तौर पर ओपीडी के आंकड़ों को देखा जाय तो चालू सप्ताह में प्रतिदिन 2500 से 2700 रोगी, ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इन आंकड़ों में इमरजेन्सी सेवाओं की संख्या भी शामिल है।

संवाद न्यूज

एक साल में एम्स ओपीडी में रिकॉर्ड 7.89 लाख मरीज पहुंचे

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में ओपीडी की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वर्ष 2025 में वर्षभर के अंतराल में एम्स में 7 लाख 89 हजार मरीज ओपीडी में देखे गए हैं, जबकि अस्पताल के संचालन से अब तक ओपीडी में पंजीकृत कुल रोगियों की यह संख्या 63 लाख से अधिक पहुंच चुकी है।

एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि एम्स एक मानक संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। मरीजों का भरोसा और उम्मीद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। ओपीडी सेवाओं का उद्देश्य रोगियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। संस्थान की ओर से तकनीक आधारित टेलीमेडिसिन ओपीडी सेवा भी संचालित की जा रही है। इससे दैनिक तौर पर दूर-दराज के हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। 2013 में मैनुअली रजिस्टर में रोगी का नाम अंकित करने की व्यवस्था से शुरू हुआ एम्स की ओपीडी सेवाओं का सफर वर्तमान में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने की तकनीक आधारित प्रक्रिया तक पहुंच चुका है।

कंप्यूटर आधारित व्यवस्था न होने के कारण शुरू में रजिस्टर पर ही रोगी का नाम और पता लिखे जाते थे। लेकिन आज पंजीकरण का तरीका पूरी तरह बदल चुका है। अब कंप्यूटर आधारित रोगी पंजीकरण व्यवस्था के साथ ही कोई भी व्यक्ति घर बैठे भी ऑनलाइन तकनीक का इस्तेमाल कर चिकित्सक से अपॉइंटमेंट ले सकता है। साल दर साल स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित हुईं तो ओपीडी में रोगियों की संख्या भी बढ़ती चली गई। परिणाम यह रहा कि ओपीडी शुरू होने से 31 मार्च 2026 तक एम्स ऋषिकेश में 63 लाख 13 हजार 955 लोग लाभ उठा चुके हैं।

जबकि आईपीडी (भर्ती मरीजों) की संख्या का यह आंकड़ा 4 लाख 77 हजार 432 तक पहुंच गया है। इनमें न केवल उत्तराखंड बल्कि हिमाचल, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, बिहार और नेपाल तक के रोगी भी शामिल हैं। दैनिक तौर पर ओपीडी के आंकड़ों को देखा जाए तो चालू सप्ताह में प्रतिदिन 2500 से 2700 रोगी, ओपीडी में स्वास्थ्य परामर्श लेने पहुंच रहे हैं। इन आंकड़ों में इमरजेंसी सेवाओं की संख्या भी शामिल है।

पिछले 5 वर्षों का ओपीडी का ग्राफ

वर्ष 2021- कुल ओपीडी- 4, 90, 495
वर्ष 2022- कुल ओपीडी- 6, 20, 654
वर्ष 2023- कुल ओपीडी- 6, 80, 075
वर्ष 2024- कुल ओपीडी- 7, 42, 963
वर्ष 2025- कुल ओपीडी- 7, 89, 187

आईपीडी में उछाल, 5 सालों में 3.09 लाख रोगी हुए भर्ती

वर्ष 2021- कुल भर्ती रोगी- 46, 492
वर्ष 2022-कुल भर्ती रोगी- 57, 628
वर्ष 2023- कुल भर्ती रोगी- 62, 363
वर्ष 2024- कुल भर्ती रोगी- 68, 855
वर्ष 2025- कुल भर्ती रोगी- 74, 156

नवोदय टाइम्स

स्वास्थ्य सुविधाओं को लगे पंख, हर साल बढ़ रही एम्स की ओपीडी

- बनाया रिकॉर्ड, 63 लाख से अधिक रोगियों का हो चुका है पंजीकरण
- भर्ती मरीजों का भी बढ़ा ग्राफ, अब तक 4 लाख 77 हजार हुई आईपीडी

श्यामपुर, 16 अप्रैल (नवोदय टाइम्स): अत्याधुनिक तकनीक आधारित स्वास्थ्य सुविधाएं और कम लागत पर इलाज का परिणाम है कि एम्स ओपीडी में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। संस्थान की स्वास्थ्य सुविधाओं पर यह आम लोगों द्वारा जताया गया भरोसा ही है कि 2025 में एक साल के दौरान ही एम्स में 7 लाख 89 हजार रोगी ओपीडी में देखे गए हैं।

जबकि अस्पताल के संचालन से तक ओपीडी में पंजीकृत कुल रोगियों की यह संख्या 63 लाख से अधिक पहुंच चुकी है।

वर्ष 2013 में मैनुअली रजिस्टर में रोगी का नाम अंकित करने की व्यवस्था से शुरू हुआ एम्स ऋषिकेश की ओपीडी सेवाओं का सफर वर्तमान में ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेने की तकनीक आधारित प्रक्रिया तक पहुंच चुका है। कंप्यूटर आधारित व्यवस्था न होने से शुरू में रजिस्टर पर ही रोगी का नाम और पता लिखे जाते थे। लेकिन आज पंजीकरण का तरीका बदल चुका है।

अब कंप्यूटर आधारित रोगी पंजीकरण व्यवस्था के साथ ही कोई भी व्यक्ति घर बैठे भी ऑनलाइन तकनीक का इस्तेमाल कर डॉक्टर से अपाइंटमेंट ले सकता है। साल दर साल स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित हुईं तो ओपीडी में रोगियों की संख्या भी बढ़ती चली गयी। परिणाम यह रहा कि ओपीडी शुरू होने से 31 मार्च तक एम्स ऋषिकेश में 63 लाख 13 हजार 955 लोग स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा चुके हैं। जबकि आईपीडी (भर्ती मरीजों) की संख्या का यह आंकड़ा 4 लाख 77 हजार 432 तक पहुंच गया है। इनमें न केवल उत्तराखण्ड बल्कि हिमाचल, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, बिहार और नेपाल तक के रोगी भी शामिल हैं। दैनिक तौर पर ओपीडी चालू सप्ताह में प्रतिदिन 2500 से 2700 रोगी, ओपीडी में स्वास्थ्य परामर्श लेने पहुंच रहे हैं। इन आंकड़ों में इमरजेंसी सेवाओं की संख्या भी शामिल है। इनसे दैनिक तौर पर दूर-दराज के हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

यूं बढ़ा ओपीडी का ग्राफ

2021	-	4, 90, 495
2022	-	6, 20, 654
2023	-	6, 80, 075
2024	-	7, 42, 963
2025	-	7, 89, 187

भर्ती होने वाले रोगी भी बढ़े

2021	-	46, 492
2022	-	57, 628
2023	-	62, 363
2024	-	68, 855
2025	-	74, 156

"भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से एम्स ऋषिकेश एक मानक संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहिचान बना चुका है। रोगी का भरोसा और उम्मीद हमारे डॉक्टरों लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। ओपीडी सेवाओं का उद्देश्य रोगियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। संस्थान द्वारा तकनीक आधारित टेलिमेडिसिन ओपीडी सेवा भी संचालित की जा रही है।

-प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक

"ओपीडी सेवाओं के माध्यम से हम राज्य में सबसे अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। मौजूदा समय में संस्थान में दैनिक तौर पर 36 से अधिक विभागों की ओपीडी संचालित हो रही है। इनमें जनरल ओपीडी के अलावा विभिन्न विभागों की सुपरस्पेशिलिटी ओपीडी सेवाएं भी शामिल है। अस्पताल प्रशासन कई विभागों के आफ्टर नून क्लीनिक भी संचालित कर रहा है। इन सुविधाओं से प्रतिदिन हजारों रोगी स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

-प्रो. बी. सत्या श्री, चिकित्सा अधीक्षक

अमर उजाला

स्वास्थ्य सुविधाओं को लगे पंख, हर साल बढ़ रही एम्स की ओपीडी

– राजेश शर्मा

ऋषिकेश। अत्याधुनिक तकनीक आधारित स्वास्थ्य सुविधाएं और कम लागत पर उच्च स्तरीय इलाज का परिणाम है कि एम्स ऋषिकेश में ओपीडी की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। संस्थान की स्वास्थ्य सुविधाओं पर यह आम लोगों द्वारा जताया गया भरोसा ही है कि वर्ष 2025 में एक साल के दौरान ही एम्स में 7 लाख 89 हजार रोगी ओपीडी में देखे गए हैं। जबकि अस्पताल के संचालन से तक ओपीडी में पंजीकृत कुल रोगियों की यह संख्या 63 लाख से अधिक पहुंच चुकी है।

वर्ष 2013 में मैनुअली रजिस्टर में रोगी का नाम अंकित करने की व्यवस्था से शुरू हुआ एम्स ऋषिकेश की ओपीडी सेवाओं का सफर वर्तमान में ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेने की तकनीक आधारित प्रक्रिया तक पहुंच चुका है। कंप्यूटर आधारित व्यवस्था न होने के कारण शुरू में रजिस्टर पर ही रोगी का नाम और पता लिखे जाते थे। लेकिन आज पंजीकरण का तरीका पूरी तरह बदल चुका है। अब कंप्यूटर आधारित रोगी पंजीकरण व्यवस्था के साथ ही कोई भी व्यक्ति घर बैठे भी ऑन लाईन तकनीक का इस्तेमाल कर डॉक्टर से अपॉन्टमेंट ले सकता है। साल दर साल स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित हुई तो ओपीडी में रोगियों की संख्या भी बढ़ती चली गयी। परिणाम यह रहा कि ओपीडी शुरू होने से 31 मार्च 2026 तक एम्स ऋषिकेश में 63 लाख 13 हजार 955 लोग स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा चुके हैं। जबकि आईपीडी (भर्ती मरीजों) की संख्या का यह आंकड़ा 4 लाख 77 हजार 432 तक पहुँच गया है। इनमें न केवल उत्तराखण्ड बल्कि हिमाचल, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, बिहार और नेपाल तक के रोगी भी शामिल हैं। दैनिक तौर पर ओपीडी के आंकड़ों को देखा जाय तो चालू सप्ताह में प्रतिदिन 2500 से 2700 रोगी, ओपीडी में स्वास्थ्य परामर्श लेने पहुंच रहे हैं। इन आंकड़ों में इमरजेन्सी सेवाओं की संख्या भी शामिल है।

भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से एम्स ऋषिकेश एक मानक संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहिचान बना चुका है। रोगी का भरोसा और उम्मीद हमारे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। ओपीडी सेवाओं का उद्देश्य रोगियों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। संस्थान द्वारा तकनीक आधारित टेलिमेडिसिन ओपीडी सेवा भी संचालित की जा रही है। इससे दैनिक तौर पर दूर-दराज के हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

–प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक, एम्स ऋषिकेश।

"ओपीडी सेवाओं के माध्यम से हम राज्य में सबसे अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। मौजूदा समय में संस्थान में दैनिक तौर पर 36 से अधिक विभागों की ओपीडी संचालित हो रही हैं। इनमें जनरल ओपीडी के अलावा विभिन्न विभागों की सुपरस्पेशिलिटी ओपीडी सेवाएं भी शामिल हैं। अस्पताल प्रशासन कई विभागों के आफ्टरनून क्लीनिक भी संचालित कर रहा है। इन सुविधाओं से प्रतिदिन हजारों रोगी स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

–प्रो. बी. सत्या श्री, चिकित्सा अधीक्षक, एम्स ऋषिकेश।

पिछले 5 वर्षों के दौरान यूं बढ़ा ओपीडी का ग्राफ

वर्ष 2021– कुल ओपीडी– 4, 90, 495
वर्ष 2022– कुल ओपीडी– 6, 20, 654
वर्ष 2023– कुल ओपीडी– 6, 80, 075
वर्ष 2024– कुल ओपीडी– 7, 42, 963
वर्ष 2025– कुल ओपीडी– 7, 89, 187

5 वर्षों में कुल ओपीडी संख्या– 33, 23, 374

आईपीडी में भी आया उछाल, 5 सालों में 3.09 लाख रोगी हुए भर्ती

वर्ष 2021– कुल भर्ती रोगी– 46, 492
वर्ष 2022–कुल भर्ती रोगी– 57, 628
वर्ष 2023– कुल भर्ती रोगी– 62, 363
वर्ष 2024– कुल भर्ती रोगी– 68, 855
वर्ष 2025– कुल भर्ती रोगी– 74, 156

पिछले 5 वर्षों में कुल भर्ती रोगी– 3, 09, 494